

17-7-28

पत्रावली जेरा हुयी वादीगण एवं
वादीगण से वकील से शक-र
कर कर-र अलाज लगाई गई।
वादीगण जे उनके वकील इच्छित
रहे है अतः वाद वादीगण अदालत
दाजरी क अदालत परकी के खारिज
किया जाता है पत्रावली कालांतर
होकर शक कि रूप ही लप
दखल वा खिल ही


उप खण्ड अधिकारी
उनियास